भारत सीखो

आउटरीच कार्यक्रम की रिपोर्ट

सितंबर 2020- अप्रैल 2021 के लिए आउटरीच कार्यक्रम की रिपोर्ट

आउटरीच कार्यक्रम का संचालन डॉ शोभना वारियर और डॉ योगिता भाटिया ने किया।

यह सितंबर 2020 में कमला नेहरू कॉलेज के चुनिन्दा स्वयंसेवकों के साथ शुरू हुआ और जल्द ही हमारे पास कुल 30 संरक्षक पढ़ाने के लिए तैयार थे!

हमारे पास हौज ख़ास मयूर विहार के सरकारी, फीडर और ओपन स्कूलों के समूह से 9वीं से 12वीं कक्षा के छात्र आए थे।

छात्रों को विषयों के आधार पर उन संरक्षकों को सौंपा गया था जिन्हें वे आराम से पढ़ा सकते थे। संरक्षकों ने अपनी स्वयं की लॉगबुक भी बनाए रखी जिसमें निम्नलिखित डेटा था -

कक्षाएं पढ़ाई गईं

सामग्री भेजी

● कवर किए गए पाठ्यक्रम की राशि

सितंबर से दिसंबर तक की कक्षाएं मुख्य रूप से व्हाट्सएप संदेशों, वॉयस और वीडियो कॉल पर ली गईं और जो लोग Google मीट का उपयोग करने का प्रबंधन कर सकते थे, उन्होंने वहां कक्षाएं संचालित कीं। जिस दिन छात्र खाली थे और फोन और इंटरनेट तक पहुंच रखते थे, उस दिन संरक्षक न्यूनतम 1 घंटे से अधिकतम 2 घंटे की अवधि के साथ कक्षाएं लेते थे। कक्षाएं मुख्य रूप से या तो कॉलेज के समय बाद (जैसे- शाम 5 बजे से शाम 6 बजे तक) या सप्ताह के अंत में दोपहर की कक्षाओं के बाद आयोजित की जाती थीं। जनवरी 2021 के बाद, हमने कक्षा 10 से 12 के लिए सरकारी स्कूलों को फिर से खोलने का अनुभव किया और इसलिए, बहुत से छात्रों ने स्कूल ऑफ़लाइन फिर से शुरू किया, लेकिन हमारे सलाहकारों ने तब भी जिन विषयों पर छात्रों को मदद की जरूरत थी जैसे नमूना पत्र बनाकर , उनके द्वारा क्यूरेट किए गए ऑनलाइन संशोधन परीक्षण और अतिरिक्त नोट्स प्रदान करके उनकी मदद

छात्रों की प्रतिपुष्टि - साक्षी (संरक्षक - ईशा)

इतिहास मेरे लिए हमेशा एक उबाऊ विषय रहा है। लेकिन मुझे अच्छा लगता है अगर कोई सिखाता है*। आप ही थे जिन्होंने मुझे इतिहास* पढ़ाया और सिर्फ इतिहास नहीं बल्कि दैनिक अनुभव और हमारे बीच जो भी बातचीत हुई, वह सिर्फ बातचीत नहीं थी। लेकिन यह कुछ परे था, मैं आप जैसी दीदी के लिए आभारी हूं जिसने मुझे इतिहास पढ़ाया। हाँ। , मैं समय के मुद्दों और अन्य मुद्दों के कारण वह गहरा संबंध नहीं बना सकी जिसे बनाना था। यह एक अलग बात है। लेकिन आपने कभी मुझे कुछ नहीं कहा या मुझे कुछ करने के लिए नहीं रोका। मुझे आपकी लाइन याद है "कि सब स्पून में ही नहीं मिलेगा" तुम्हें भी मेहनत करनी है। और इससे आपने मुझे आत्म निर्भर बना दिया। सब कुछ के लिए धन्यवाद। मैं आपको एक रहस्य बताती

हूं.

(इतना सारा और इतना सब कुछ कोई नहीं करता, खासकर जब हम नहीं जानते हैं) या हमारी मुलाकात नहीं हुई। जल्द ही

मैं 12वीं पास कर लूंगी मैं आपसे मिलूंगी। धन्यवाद.. (अब रूला दोगी आप)

फिर से हर चीज के लिए बहुत धन्यवाद। और हाँ, मुझे हमारी कक्षा का समय याद है (5:00 से 6:30)